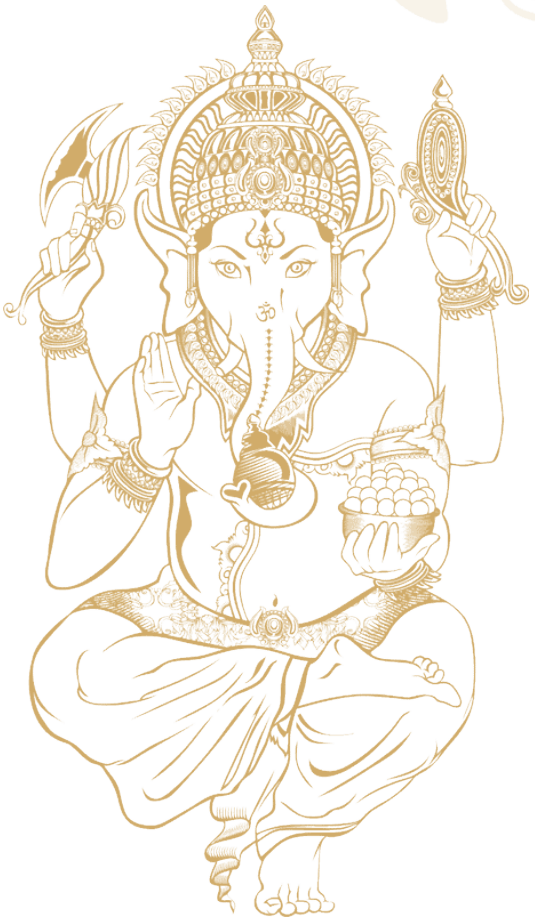

Pushpraj

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121369904

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/03/2001	जन्म तिथि	03/07/2002
शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 06:55:00	जन्म समय	07:19:00 घंटे
घटी 00:35:46	जन्म समय(घटी)	03:54:50 घटी
India	देश	India
Ujjain	स्थान	Ujjain
23:11:00 उत्तर	अक्षांश	23:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:40:41	सूर्योदय	05:45:04
18:33:34	सूर्यास्त	19:16:26
23:52:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 4मा 6दि	29:16:52	कुंभ	लग्न	कर्क	06:51:59	बुध 11वर्ष 6मा 7दि
राहु	25:40:02	कुंभ	सूर्य	मिथु	17:05:40	शुक्र
16/07/2022	00:19:56	कन्या	चंद्र	मीन	20:57:50	09/01/2021
16/07/2040	17:38:26	वृश्चि	मंगल	मिथु	29:18:22	09/01/2041
राहु 28/03/2025	28:14:28	मक	बुध	वृष	28:28:54	शुक्र 10/05/2024
गुरु 22/08/2027	10:21:39	वृष	गुरु	मिथु	29:30:39	सूर्य 10/05/2025
शनि 28/06/2030	23:50:21	मीन व	शुक्र	कर्क	27:14:28	चन्द्र 09/01/2027
बुध 14/01/2033	01:56:27	वृष	शनि	वृष	27:35:53	मंगल 10/03/2028
केतु 02/02/2034	19:17:06	मिथु व	राहु	वृष	23:43:58	राहु 11/03/2031
शुक्र 01/02/2037	19:17:06	धनु व	केतु	वृश्चि	23:43:58	गुरु 09/11/2033
सूर्य 27/12/2037	28:33:28	मक	हर्ष व	कुंभ	04:35:45	शनि 09/01/2037
चन्द्र 28/06/2039	13:54:27	मक	नेप व	मक	16:27:54	बुध 09/11/2039
मंगल 16/07/2040	21:23:31	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:43:25	केतु 09/01/2041

लग्न-चलित

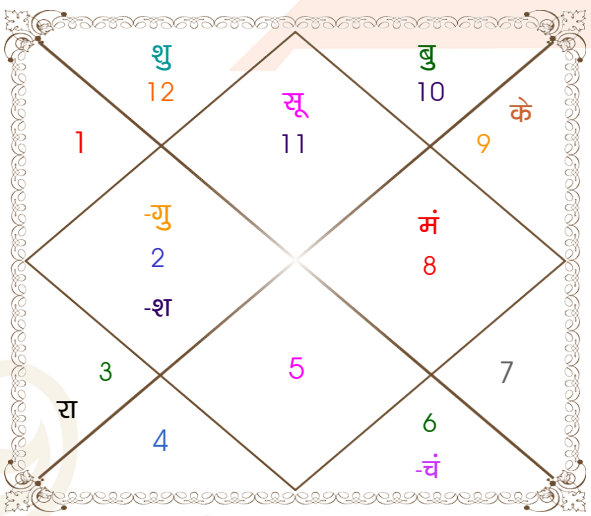

लग्न-चलित

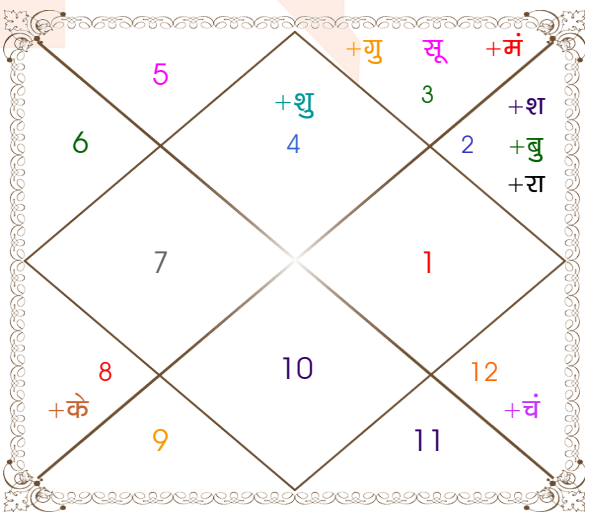

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

च्नौचतंर का वर्ग श्वान है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्नौचतंर और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

च्नौचतंर मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms. कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्नौचतंर तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।